

विषय। अग्रज बन्धु कुलका
राष्ट्रीय स्वामीजी ने मन्त्र। अ
वीरन लिखते प्रत्यक्ष कुलका
दम्बु। कुलका, वीरन सि
कुलका, ज्ञाति कुलका
पाठो कुलका, दूरी बाई, कु
बाई, राज बाई, नीलबाई, नर्म
बाई, बरती बाई, पुनिका बा
वीरन बाई, कलाबाई, कुं
बाई बाई मीनूद स्ते।

